(2)

कलास्नातक (संस्कृतम्)

Bachelor of Arts (Sanskrit)

Semester Vth & VIth

पाठ्ययोजना एवं पाठ्यक्रमः

SCHEME AND SYLLABUS

Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programme
(Multiple Entry-Multiple Exit, Internship and Choice Based Credit System LOCF)
With effect from the session 2024-25 (in phased manner)

भारतीय संस्कृति एवं भाषा विभाग

Bhāratīya Saṃskṛti evaṃ Bhāṣā Vibhāga

चौधरी-बंसी-लाल-विश्वविद्यालयः, भिवानी

CHAUDHARY BANSI LAL UNIVERSITY, BHIWANI

UGBOS 30.06.2026

Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani

Scheme of Courses in Sanskrit for U.G Programme Subject Sanskrit as per NEP 2020 (Multiple Entry-Exit, Internships and Choice Based Credit System) (in the phased manner)

Semester	CORE COURSES Sanskrit	Paper	Nomenclature of Paper	Credits	Contact hours (Theory+ Tutorial)	Internal Marks	External Marks	Total	Duration of Exam (Hrs.)
I	CC-1/ MCC-1	UN24-SKT-101	नीतिसाहित्यं व्याकरणं च	4	4	30	70	100	3
	MCC-2	UN24-SKT--102	रघुवंशं बुद्धचरितं च	4	4	30	70	100	3
	MDC-1	UN24-SKT-103	संस्कृत–सम्भाषणम्	3	3	25	50	75	3
	CC-M1	UN24-SKT-104	प्रयोगात्मक–संस्कृतम्	2	2	15	35	50	2
II	CC-2/ MCC-3	UN24-SKT-201	श्रीमद्भगवद्गीता, स्वस्थवृत्तं छन्दशास्त्रं च	4	4	30	70	100	3
	DSEC-1	UN24-SKT-202	किरातार्जुनीयं नीतिशतकं च	4	4	30	70	100	3
	MDC-2	UN24-SKT-203	योगासनम् एवं ध्यानम्	3	3	25	50	75	3
	CC-M2	UN24-SKT-204	संस्कृत–चयनिका	2	2	15	35	50	2
Internship of 4 Credits of 4-6 weeks duration after 2nd Semester									
III	CC-3/ MCC-4	UN24-SKT-301	ऐतिहासिकमहाकाव्यम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-5	UN24-SKT-302	स्वप्नवासवदत्तम्	4	4	30	70	100	3

	MDC-3	UN24-SKT-303	यज्ञप्रक्रियायाः वैज्ञानिकाधारः एवं वर्णोच्चारणम्	3	3	25	50	75	3
IV	CC-4 / MCC-6	UN24-SKT-401	महाकाव्यम् उपन्यासः एवं शब्दप्रक्रिया	4	4	30	70	100	3
	MCC-7	UN24-SKT-402	आधुनिक–संस्कृतसाहित्यम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-8	UN24-SKT-403	काव्यशास्त्रम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-1	UN24-SKT-404	काव्यदीपिका वृत्तरत्नाकरः च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		UN24-SKT-405	संस्कृतसाहित्ये राष्ट्रवादः	4	4	30	70	100	3
Internship of 4 Credits of 4-6 weeks duration after 4th Semester									
V	CC-5/ MCC-9	UN24-SKT-501	वैदिकसाहित्यपरिचयः, नाटकम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-10	UN24-SKT-502	लघुसिद्धांतकौमुदी प्रक्रिया च	4	4	30	70	100	3
	DSE-2	UN24-SKT-503	दशकुमारचरितं शिवराजविजयं च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		UN24-SKT-504	धर्म, संस्कृतिः दर्शनं च	4	4	30	70	100	3
	DSE-3	UN24-SKT-505	भारतीयपरिप्रेक्ष्ये व्यक्तित्वविकासः	4	4	30	70	100	3
		OR							
		UN24-SKT-506	संस्कृतमहाकाव्यकाराः गद्यकाराः नाट्यकाराः च	4	4	30	70	100	3

VI	CC-6/ MCC-11	UN24-SKT-601	नाटकं, लौकिकसाहित्यम् एवं व्याकरणम्	4	4	30	70	100	3
	MCC-12	UN24-SKT-602	उपनिषद्–गीतानुसारं जीवनदर्शनम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-4	UN24-SKT-603	संस्कृतसाहित्ये नीतिः आचारः च	4	4	30	70	100	3
		OR							
		UN24-SKT-604	संहिता, व्याकरणम् एवं दर्शनम्	4	4	30	70	100	3
	DSE-5	UN24-SKT-605	वास् तुशास् त् रस् य सामान् यपरचियः	4	4	30	70	100	3
		OR							
		UN24-SKT-606	सन्तुलितजीवन–पद्धतिः	4	4	30	70	100	3

(Value Added Courses)									
I	VAC-307	UN24-VAC-307	पंचकोश : सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास	2	2	15	35	50	2
II	VAC-312	UN24-VAC-312	प्रारंभिक संस्कृत भाषा ज्ञान	2	2	15	35	50	2
III	VAC-313	UN24-VAC-313	संस्कृत साहित्य में नाट्य एवं रंगमंच	2	2	15	35	50	2
IV	VAC-315	UN24 VAC-315	भारतीय ज्ञान परम्परा एवं पद्धति	2	2	15	35	50	2

(Ability Enhancement Course)									
Semester I	AEC -1	UN24-AEC-131	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-1	2	2	15	35	50	2
Semester II	AEC -2	UN24-AEC-132	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-2	2	2	15	35	50	2
Semester III	AEC -3	UN24-AEC-133	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-3	2	2	15	35	50	2
Semester IV	AEC -4	UN24-AEC-134	संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-4	2	2	15	35	50	2

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	V
Name of the Course	Bachelor of Art
Course Code	24UN-SKT-50 वैदिकसाहित्यपरिचयः नाटकम् एवं व्याकरणम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC–5 / MCC – 9
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 501.1 – काव्य की एक विधा नाट्यशास्त्र है। नाटक भारतीय समाज में चिन्तन एवं कला का एक कौशल रूप है। अभिज्ञानशाकुन्तलम् कालिदास विरचित विश्वप्रसिद्ध नाटक है। इसमें भारतीय समाज के सभी पहलुओं पर चिन्तन किया गया है। CLO : 501.2 – महाकवि कालिदास भारतीय परम्परा की अमूल्य धरोहर है। प्रस्तुत घटक में कवि का काल निर्णय, काव्य शैली एवं नाट्य शैली से छात्रों को परिचित करवाया जाता है। CLO : 501.3 – संस्कृत साहित्य अति प्राचीन एवं विस्तृत है। संस्कृत साहित्य का आरम्भ वेदों से होता हुआ निरन्तर गतिमान है। प्रस्तुत घटक में छात्रों को वैदिक साहित्य से परिचित करवाया जायेगा। CLO : 501.4 – व्याकरण, भाषा के शुद्ध स्वरूप को जानने एवं समझने में सहायक है। प्रस्तुत घटक में भाषा का ज्ञान व्याकरण के

	माध्यम से छात्रों को करवाया जायेगा।		
Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	अभिज्ञानशाकुन्तलम् - प्रथम से चतुर्थ अङ्क तक 14 अङ्क (क) दो पाठ्यांशों की सप्रसंग व्याख्या 2x5 = 10 (ख) एक सूक्ति की व्याख्या अथवा निर्धारित अङ्कों में से किसी अङ्क का सार अथवा एक आलोचनात्मक प्रश्न-1x4=4 अङ्क	
II	कालिदासः जीवन परिचय, काल विवेचन, काव्यशैली, नाट्यशैली (14 अङ्क) (क) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x8 = 8 अङ्क (ख) एक टिप्पणी 1x6 = 6 अङ्क	
III	वैदिक साहित्य का इतिहास: वैदिक साहित्य- संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदाङ्ग साहित्य (14 अङ्क) दो निबन्धात्मक प्रश्न 2x7 = 14 अङ्क	

IV	लघुसिद्धान्तकौमुदी एवं अलङ्कार 14 अङ्क (क) विभक्त्यर्थप्रकरणः- सूत्रव्याख्या/अशुद्धि संशोधन/वाक्यरचना- 7अङ्क (ख) अलङ्कार - अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिश्योक्ति, विशेषोक्ति, विभावना, अर्थान्तरन्यास 2x3½=7 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ॰ वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा ।
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, नागरी मुद्रण, काशी ।
3. लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ॰ सत्यपाल सिंह, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली ।
4. साहित्यदर्पण, दशम परिच्छेद, शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	V
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-502 लघुसिद्धान्तकौमुदी प्रक्रिया च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MCC–10
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 502.1 – पाणिनि व्याकरण में प्रवेश हेतु तत्संज्ञाओं का लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार ज्ञान इस घटक में कराया गया है। CLO : 502.2 – संस्कृत भाषा में संधियों का विशेष महत्त्व है। यह घटक अच् संधि का अवबोधन कराता है। CLO : 502.3 – वाक्य संरचना में तिङन्त पदों का विशेष महत्त्व होने से यह घटक तिङन्त प्रकरण का प्रारंभिक ज्ञान विद्यार्थियों को करवाता है। CLO : 502.4 – इस घटक के माध्यम से अजन्त पुल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग एवं नपुंसकलिङ्ग शब्दों की रूपसिद्धि द्वारा सुबन्त शब्दों का ज्ञान कराया जाएगा।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	लघुसिद्धान्तकौमुदी- संज्ञाप्रकरण (14 अङ्क) (क) दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) दो संज्ञाओं से सम्बद्ध: एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	
II	लघुसिद्धांतकौमुदी-सन्धिप्रकरण (अच् संधि) (14 अङ्क) (क) दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 2x3 = 6 अङ्क (ख) दो रूपों की ससूत्र सिद्धि 2x4 = 8 अङ्क	
III	लघुसिद्धांतकौमुदी: तिङन्तप्रकरण निम्नलिखित धातुओं के केवल लट्-लोट्-लृट्-लङ्-विधिलिङ् लकारों की रूपसिद्धि- भू, एध् (क) सोदाहरण सूत्रव्याख्या 14 अङ्क (ख) रूपसिद्धि 2x3 = 6 अङ्क 2x4 = 8 अङ्क	
IV	लघुसिद्धांतकौमुदी सुबन्तप्रकरण 14 अङ्क निम्नलिखित पदों की रूपसिद्धि- राम, रमा, ज्ञान (क) सोदाहरण सूत्रव्याख्या 2x3 = 6 अङ्क	

	(ख) रूपसिद्धि 2x4= 8 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. लघुसिद्धांतकौमुदी, व्याख्याकार - डॉ॰ सत्यपाल सिंह, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	V
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-503 दशकुमारचरितं, शिवराजविजयञ्च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSC–2
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 503.1 – इसमें भारतवर्ष के पञ्चम शताब्दी के राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक जीवन पर प्रकाश डाला गया हैं। छात्रों को इसके अध्ययन से भारतीय इतिहासबोध व अन्धविश्वासों से दूर रहने की प्रेरणा दी गई है। CLO : 503.2 – कवि दण्डी तथा कथा से सम्बन्धित आलोचनात्मक टिप्पणी के माध्यम से काव्य के गुण-दोषों तथा सामाजिक जीवन से सम्बन्धित तथ्यों पर प्रकाश डाला गया है। CLO : 503.3 – 16वीं तथा 17वीं शताब्दी के भारतीय राजनैतिक वातावरण का पता चलता है। इसमें वीर शिवाजी का मुगलों से संघर्ष व विजय का वर्णन है। CLO : 503.4 – पं॰ अम्बिकादत्त व्यास तथा शिवराजविजय से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्नों के माध्यम से साहित्य बोध में सहायता मिलती है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	दशकुमारचरितम् (प्रथमोच्छ्वासः) (14 अङ्क) (क) गद्यांश व्याख्या 2x5 = 10 अङ्क (ख) पंक्ति व्याख्या 1x4 = 4 अङ्क	
II	दशकुमारचरितम् एवं दशकुमारचरितसम्बद्ध कवि को आधार बनाकर (14 अङ्क) (क) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x10 =10 अङ्क (ख) एक संक्षिप्त टिप्पणी 1x4 =4 अङ्क	
III	शिवराजविजय (प्रथम निश्वास) (14 अङ्क) (क) गद्यांशव्याख्या 2x5 = 10 अङ्क (ख) पंक्तिव्याख्या 1x4 = 4 अङ्क	
IV	शिवराजविजयसम्बद्ध लेखक एवं शिवराजविजय को आधार बनाकर (14 अङ्क) (क) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x10 = 10 अङ्क (ख) एक संक्षिप्त टिप्पणी 1x4 = 4 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. दशकुमारचरितम्, व्या॰ आचार्य श्रीशेषराजशर्मा रेग्मी, चैखम्बा कृष्णदास एकेडमी, बनारस
2. शिवराजविजय, व्या॰ देवनारायण मिश्र, साहित्य भंडार, मेरठ

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	V
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-504धर्म, संस्कृतिः दर्शनञ्च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–2
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 504.1 – उपनिषदों का सार श्रीमद्भगवद्गीता भारतीयज्ञानपरंपरा का उच्चकोटि का ग्रंथ है। इस घटक में गीता के 12वें अध्याय का ज्ञान कराया जाएगा। CLO : 504.2 – व्यक्ति सम्यक् साधना और पवित्र आचरण से जीवनशैली के द्वारा जीवनयात्रा को सुगम, सरल करते हुए मोक्ष के मार्ग को प्राप्त करता है। यह ज्ञान योगदर्शन के अनुसार इस घटक में बताया जाएगा । CLO : 504.3 – भारतीय समाज में संस्कारों का बहुत महत्व है। इस घटक में 16 संस्कारों का ज्ञान छात्रों को दिया जाएगा। CLO : 504.4 – मनुष्य का व्यवहार कैसा होना चाहिए, यह मनुस्मृति के अनुसार इस घटक में बताया गया है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics		Contact Hours
I	श्रीमद्भगवद्गीता - 12वाँ अध्याय (क) दो श्लोकों की व्याख्या (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 = 8 अङ्क 1x6 =6 अङ्क	15
II	पातञ्जलयोगसूत्र (साधनपाद 39-55) (क) दो सूत्रों की व्याख्या (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 = 8 अङ्क 1x6 = 6 अङ्क	15
III	षोडशसंस्कार एवं उनका महत्व संस्कारों का स्वरूप, उनकी विधि एवं महत्व से संबंधित दो आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x7 =14 अङ्क	15
IV	मनुस्मृतिः (सप्तम अध्याय 1-50) (क) दो श्लोको की व्याख्या (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 = 8 अङ्क 1x6 = 6 अङ्क	15

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. श्रीमद्भगवद्गीता, तत्त्वविवेचनी टीका, गीता प्रेस, गोरखपुर ।
2. पातञ्जलयोगप्रदीप, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली ।
3. हिंदुसंस्कार, राजबली पाण्डेय, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी ।
4. संस्कारविधि, महर्षि दयानंद सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, नया बांस, दिल्ली ।
5. मनुस्मृति, कुल्लूकभट्टकृतमन्वर्थमुक्तावली-सहिता, शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	V
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-505भारतीयपरिप्रेक्ष्ये व्यक्तित्वविकासः
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–3
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 505.1 – भारतीय परम्परा में वेदों, उपनिषदों में ऋषियों द्वारा अर्जित ज्ञान विद्यमान है। उन्हीं के माध्यम से छात्रों को अपने व्यक्तित्व के विकास को विकसित करने का ज्ञान दिया जाता है। CLO : 505.2 – मानव सम्पूर्ण सृष्टि का महत्वपूर्ण अंग है। इस घटक में गीता के प्रथम अध्याय के आधार पर छात्रों को जीव, ब्रह्म आदि के बारे में बताया जाता है। CLO : 505.3 – इस घटक में गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर छात्राओं को कर्मयोग के बारे में बताया जाता है। CLO : 505.4 – गीता धर्मशास्त्र है जिसकी परिधि मानव के विकास में महत्वपूर्ण है। मानव का व्यवहार कैसा हो? यही ज्ञान छात्रों को दिया जाता है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य 14 अङ्क ऋग्वेद 1.164.1-5, छान्दोग्योपनिषद् 6.2.3, 6.8.6, 8.1.6, बृहदारण्यकोपनिषद् 2.5, 18-19, (क) मन्त्र व्याख्या 2x4= 8 अङ्क (ख) आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 =6 अङ्क	
II	मानव की अवधारणा 14 अङ्क गीता, प्रथम अध्याय, 1-30 (क) श्लोक व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) आलोचनात्मक/विवेचनात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	
III	क्षेत्र-क्षेत्रज्ञ एवं क्षर अक्षर तिचार गीता-अध्याय 13, 1-2, 5-6, 19-23 14 अङ्क गीता अध्याय- 15 (क) श्लोक व्याख्या 2x4 = 8 अङ्क (ख) आलोचनात्मक/विवेचनात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	

IV	मानव-व्यवहार-परिशोधन गीता, अध्याय - 18, 41-62	14 अङ्क	
	(क) श्लोक व्याख्या	2x4 = 8 अङ्क	
	(ख) आलोचनात्मक / टिप्पणी प्रश्न	1x6 = 6 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. ऋग्वेद सायणभाष्य सहित
2. छान्दोग्योपनिषद्, शांकरभाष्यसहित, गीताप्रेस, गोरखपुर
3. बृहदारण्यकोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर
4. श्रीमद्भगवद्गीता, शांकरभाष्यसहित, गीताप्रेस, गोरखपुर

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	V
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-506संस्कृतमहाकाव्यकाराः गद्यकाराः, नाट्यकाराः च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/ VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–3
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 506.1 – इस घटक में आदिकवि वाल्मीकि, व्यास, कालिदास और अश्वघोष कवियों का ऐतिहासिक परिचय, काव्य-परंपरा, कवि का जीवन आदि विषयों के द्वारा संस्कृत महाकाव्य के उद्भव और विकास से अवगत कराया जाता है। CLO : 506.1 – इस घटक में वर्तमान परिप्रेक्ष्य से संबंधित संस्कृत साहित्य के आधुनिक महाकाव्यकारों का परिचय एवं उनकी रचनाओं का ज्ञान कराया जाएगा । CLO : 506.3 – संस्कृत की अन्य विधा आख्यान, कथा, उपन्यास आदि के परिचय द्वारा प्राचीन भारत से लेकर आधुनिक भारत की स्थिति से छात्रों को संस्कृत साहित्य की विस्तृत परंपरा का बोध कराया जाता है। CLO : 506.4 – संस्कृत साहित्य की नाट्य परंपरा के कवियों के नाटकों के द्वारा अभिनय के माध्यम से भारतीय सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक जीवन से अवगत कराना उद्देश्य है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	संस्कृतमहाकाव्यकार - वाल्मीकि, व्यास, कालिदास, अश्वघोष, भारवि, माघ, श्रीहर्ष 14 अङ्क (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x8 =8 अङ्क (ख) दो संक्षिप्त टिप्पणी 2x3 =6 अङ्क	
II	आधुनिक संस्कृतमहाकाव्यकार 14 अङ्क सुधीकान्त भारद्वाज, महावीर प्रसाद, मिथिलेश शर्मा शास्त्री, जगदीश प्रसाद सेमवाल, मथुरादत्त पाण्डेय, अभिराज राजेन्द्र मिश्र, जानकी वल्लभ शास्त्री (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x8 = 8 अङ्क (ख) दो संक्षिप्त टिप्पणी 2x3 = 6 अङ्क	
III	संस्कृतगद्यकार - बाणभट्ट, दण्डी, सुबन्धु, अम्बिकादत्तव्यास 14 अङ्क (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x8 = 8 अङ्क (ख) दो संक्षिप्त टिप्पणी 2x3 = 6 अङ्क	

IV	नाट्यकार - भास, कालिदास, शूद्रक, भवभूति, श्रीहर्षवर्धन 14 अङ्क (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x8 = 8 अङ्क (ख) दो संक्षिप्त टिप्पणी 2x3 = 6 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर ऋषि, चौखम्बा भारती एकेडमी, वाराणसी ।
2. आधुनिक संस्कृत साहित्य संग्रह - डॉ॰ राजमंगल यादव, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली ।
3. हरियाणा की संस्कृत साधना, डॉ॰ वीरेन्द्र कुमार अलंकार, हरियाणा संस्कृत अकादमी, पञ्चकूला ।

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-601 नाटकं व्याकरणं निबन्धश्च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	CC–6 / MCC – 11
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 601.1 – कालिदास-विरचित अभिज्ञानशांकुतलम् संस्कृत साहित्य का उत्कृष्ट नाटक है। छात्रों को इस घटक में भारतीय सामाजिक जीवन से परिचित करवाया जाएगा। CLO : 601.2 – इस घटक में कालिदास की कृतियों में जीवन दृष्टि, राष्ट्रीय भावना प्रकृति से प्रेम आदि का ज्ञान करवाया जाएगा । CLO : 601.3 – इस घटक में लघुसिद्धांतकौमुदी के अनुसार ङीप्, ङीष् टापादि स्त्री प्रत्ययों का ज्ञान कराया जाएगा। CLO : 601.4 – इस घटक में वेदों, वेदाङ्गों, संस्कृत का महत्त्व आदि विषयों का परिचय कराया जाएगा।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएंगे । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	अभिज्ञानशाकुन्तलम् - (5 से 7 अङ्क तक) 14 अङ्क (क) दो श्लोक व्याख्या 2x5 =10 अङ्क (ख) एक सूक्ति की व्याख्या 1x4= 4 अङ्क	
II	कालिदास की कृतियों में जीवन-दृष्टि, राष्ट्रीय भावना, प्रकृति-चित्रण, अलंकार-प्रयोग 14 अङ्क (क) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x10 =10 अङ्क (ख) एक टिप्पणी 1x4 = 4 अङ्क	
III	वरदराज, लघुसिद्धांतकौमुदी - स्त्रीप्रत्ययप्रकरण (14 अङ्क) (क) दो रूप सिद्धि 2x4 =8 अङ्क (ख) दो सोदाहरण सूत्रव्याख्या 2x3 = 6 अङ्क	
IV	संस्कृत-निबन्ध (सरल विषय पर संस्कृत में एक निबन्ध)- वेदानां महत्त्वम्, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, भारतीय ज्ञानपरंपरा, गीता सुगीता कर्त्तव्या, वेदाङ्गानि, परोपकारः, सत्संगति, विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्। 14अङ्क	

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. अभिज्ञानशांकुतलम्, डॉ॰ वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा 2. लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ॰ सत्यकाम सिंह, परिमल प्रकाशन, दिल्ली

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-602उपनिषद्गीतानुसारं जीवनदर्शनम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MCC–12
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 602.1 – शिक्षादर्शन की दृष्टि से तैत्तिरीयोपनिषद् की शिक्षावल्ली अत्यन्त उपादेय है। उसका ज्ञान कराना इस घटक का प्रयोजन है। CLO : 602.2 – छात्रों के आत्मिक विकास हेतु आध्यात्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण ईशोपनिषद् का अवबोधन इस घटक में निहित है। CLO : 602.3 – वैश्विक दर्शन के क्षेत्र में श्रीमद्भगवद्गीता का विशेष महत्त्व है। इस घटक के माध्यम से गीता के द्वितीय अध्याय के प्रारम्भिक 36 श्लोकों का ज्ञान कराया जाएगा । CLO : 602.4 – श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के 37-72 श्लोकों का अवगमन कराना इस घटक का अभिधेय है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics		Contact Hours
I	तैत्तिरीयोपनिषद् (शिक्षावल्ली 12 अनुवाक तक) (क) अनुवाक व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 =8 अङ्क 1x6= 6 अङ्क	
II	ईशावास्योपनिषद् (क) मन्त्र व्याख्या (ख) निबन्धात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 =8 अङ्क 1x6 = 6 अङ्क	
III	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय 1-36 श्लोक) (क) श्लोक व्याख्या (ख) निबन्धात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 =8 अङ्क 1x6= 6 अङ्क	
IV	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय 37-72 श्लोक) (क) श्लोक व्याख्या (ख) निबन्धात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 = 8 अङ्क 1x6 = 6 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर । 2. श्रीमद्भगवद्गीता, शांकरभाष्य, गीताप्रेस, गोरखपुर ।

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-603संस्कृतसाहित्ये नीतिः आचारः च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–4
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 603.1 – नीति के सन्दर्भ में आचार्य चाणक्य के विचार ग्राह्य एवं महत्त्वपूर्ण हैं। इस घटक में अर्थशास्त्र के प्रथम अधिकरण के दो अध्यायों का ज्ञान कराया जाएगा। CLO : 603.2 – महाभारत के शान्तिपर्व में वर्णित नीति एवं आचार को पढ़कर विद्यार्थी उसे आत्मसात् करें, यही प्रकृत घटक का उद्देश्य है। CLO : 603.3 – महाभारत के अरण्य पर्व में निहित नीति एवं आचार का अवबोध इस घटक में है। CLO : 603.4 – गुरुशिष्य सम्बन्धविषयक व्यावहारिक ज्ञान एवं राष्ट्रनीति व राष्ट्रप्रेम की समझ विकसित करना इस घटक का प्रयोजन है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics		Contact Hours
I	अर्थशास्त्र, (प्रथम अधिकरण, 1-2 अध्याय) (क) उद्धरण व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 1x7 =7 अङ्क 1x7 =7 अङ्क	
II	महाभारत (शान्तिपर्व, अध्याय 109.1-13) (क) श्लोक व्याख्या (ख) टिप्पणी	14 अङ्क 2x4 =8 अङ्क 1x6 = 6 अङ्क	
III	महाभारत, (आरण्यक पर्व, अध्याय 297) (श्लोक - 26-31, 34-47, 52-59) (क) श्लोक व्याख्या (ख) आलोचनात्मक प्रश्न	14 अङ्क 2x4 =8 अङ्क 1x6 = 6 अङ्क	
IV	चाणक्यनीति (प्रथम अध्याय) (क) श्लोक व्याख्या (ख) टिप्पणी	14 अङ्क 2x4 =8 अङ्क 1x6 =6 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. अर्थशास्त्रम्, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी 2. महाभारत, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी 3. चाणक्यनीति, पं॰ राधाकृष्ण श्रीमाली, अनुराग प्रकाशन, महरौली, नई दिल्ली

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-604संहिता, व्याकरणम् एवं दर्शनम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–4
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 604.1 – वेद भारतीय ऋषियों की आलौकिक चिंतनधारा का प्रतीक है। इस घटक में अग्नि, इन्द्र, हिरण्यगर्भ सूक्तों से छात्रों को आरंभिक सृष्टि विज्ञान से अवगत करवाया जाएगा। CLO : 604.2 – इस घटक में अथर्ववेद के भूमिसूक्त के माध्यम से माता के समान भूमि हमें सभी योग्य वस्तुओं को प्रदान करती है। CLO : 604.3 – वैदिक भाषा को समझने के लिए वैदिक व्याकरण की आवश्यकता होती है। इस घटक में छात्रों को उससे अवगत करवाया जाएगा । CLO : 601.4 – इस घटक में तर्कसंग्रह नामक ग्रन्थ के अनुसार सृष्टि के पदार्थों का विवेचन करवाया जाएगा।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	ऋग्वेदसंहिता 1.1 अग्निसूक्त, 2.12 इन्द्रसूक्त, 10.121 हिरण्यगर्भसूक्त, 10.191 संज्ञानसूक्त 14 अङ्क (क) दो मन्त्रों की व्याख्या 2x4 =8 अङ्क (ख) सूक्तसार/देवता परिचय/टिप्पणी 1x6= 6 अङ्क	
II	अथर्ववेदसंहिता, भूमिसूक्त (12.1.1-30) 14 अङ्क (क) दो मन्त्रों की व्याख्या 2x4= 8 अङ्क (ख) सूक्तसार/टिप्पणी 6 अङ्क	
III	वैदिकभाषायाः वैशिष्ट्यम्, लेट्लकार, तुमर्थकप्रत्यय, स्वरपरिचय (उदात, अनुदात, स्वरित) 14 अङ्क (क) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क (ख) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	
IV	तर्कसंग्रह (पदार्थविवेचन, द्रव्यगुणादिविवेचन, प्रत्यक्षखण्ड) 14 अङ्क (क) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क (ख) एक निबन्धात्मक प्रश्न 1x6 = 6 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. ऋक्सूक्तसंग्रह, कृष्ण कुमार एवं हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
2. अथर्ववेद, सायणभाष्यसहित
3. तर्कसंग्रहः, व्या॰ डॉ॰ पंकज कुमार मिश्र, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-605 वास्तुशास्त्रस्य सामान्यपरिचयः
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSC–5
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 605.1 – छात्रों के कौशल विकास पर आधारित प्रकृत प्रश्न पत्र का यह घटक वास्तुशास्त्र का परिचय देता है। CLO : 605.2 – भवन निर्माण के कार्य से पूर्व भूमि का विचार आवश्यक है। इसका ज्ञान कराना प्रकृत घटक का उद्देश्य है। CLO : 605.3 – आवासीयवास्तु को आधार बनाकर विशेष समझ विकसित करना इस घटक का प्रयोजन है। CLO : 605.4 – इस खण्ड में गृहप्रवेश के समय पालनीय आचार निहित हैं।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	वास्तुशास्त्र का स्वरूप, वास्तुशास्त्र का महत्व एवं उपयोगिता, वास्तुशास्त्र का उद्भव एवं विकास वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक आचार्य (वराहमिहिर, विश्वकर्मा, भय, भोज) 14 अङ्क (क) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 =6 अङ्क	
II	भूमि-भूखण्डविचार, भूखण्ड की आकृति, भूमिपरीक्षण शुभवृक्ष, वनस्पतियाँ, जलस्थान का निर्धारण, खनन विधि 14 अङ्क (क) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 =6 अङ्क	
III	आवासीयवास्तुनिर्माण, कक्षनिर्माण, भवनद्वार, वास्तु पुरुष की उत्पत्ति एवं लक्षण 14 अङ्क (क) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 =6 अङ्क	

IV	गेरारम्भ, गृहप्रवेशविचार, गृहप्रवेशमुहूर्त, कलशचक्रशुद्धि, वास्तुशान्ति, गृहमेलापक विचार 14 अङ्क (क) दो टिप्पणी 2x4 =8 अङ्क (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 1x6 =6 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. मयमत, शैलजा पाण्डेय, चौखम्बासुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
2. विष्णुधर्मोत्तरपुराण, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।
3. समरांगणसूत्रधार, श्रीकृष्ण जुगनू, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।
4. भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास, डॉ॰ विद्याधर, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली ।
5. बृहद्वास्तुमाला, श्रीरामनिहोर द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला, वाराणसी ।

Syllabus of Under Graduate Course

Session: 2024-25	
Part A – Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	VI
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-606संतुलितजीवनपद्धतिः
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE–5
Level of the course (As per Annexure-I	300–399
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	CLO : 606.1 – संतुलित एवं व्यवस्थित जीवन जीना व्यक्ति के आचार-व्यवहार पर निर्भर करता है। इस घटक में बृहदारण्यकोपनिषद् में बताये मार्ग को अपनाकर छात्र संतुलित जीवन की कला को जान सकते हैं । CLO : 606.2 – योग के द्वारा व्यक्ति चित्त को वश में करके अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है। इस घटक में योगसूत्रों से छात्र इसका ज्ञान प्राप्त करेंगे। CLO : 603.3 – इस घटक में छात्र गीता से ज्ञान भक्ति एवं कर्म की शिक्षा ग्रहण करते हैं, जो जीवन में संतुलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। CLO : 603.4 – ध्यान करते हुए व्यक्ति चितवृतियों का निरोध कर समाधि की अवस्था तक पहुँचता है और दुःखों से छुटकारा पा लेता है।

Credits – 4	Theory	Practical	Total
	3+1	--	4
Contact Hours	60	--	60

Max. Marks:	**100**	**Time: 3 Hrs.**
Internal Assessment Marks:	**30**	
End Term Exam Marks:	**70**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 70 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (14) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए।

Unit	Topics		Contact Hours
I	बृहदारण्यकोपनिषद् (2.4-5) श्रवण, मनन, निदिध्यासन	14 अङ्क	
	(क) एक उद्धरण व्याख्या	7 अङ्क	
	(ख) एक टिप्पणी	7 अङ्क	
II	योगसूत्र (1-11) चितवृतिनिरोध	14 अङ्क	
	(क) दो सूत्र व्याख्या	2x4= 8 अङ्क	
	(ख) एक टिप्पणी	1x6 =6 अङ्क	
III	ज्ञानयोग, कर्मयोग एवं भक्तियोग (गीता 3.5-21)	14 अङ्क	
	(क) दो श्लोक व्याख्या	2x4 =8 अङ्क	
	(ख) एक निबन्धात्मक प्रश्न	1x6= 6 अङ्क	
IV	ध्यान योग (योग सूत्र 1.12-24, 2.29, 30, 32, 46, 49, 50, 3.1-4)	14 अङ्क	
	(क) दो सूत्र व्याख्या	2x4 =8 अङ्क	
	(ख) एक टिप्पणी	1x6= 6 अङ्क	

Suggested Evaluation Methods	
Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination: 70 Marks**

Part C-Learning Resources
Recommended Books/e-resources/LMS: 1. बृहदारण्यकोपनिषद्, गीता प्रेस, गोरखपुर । 2. पातंजलयोगप्रदीप, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली । 3. श्रीमद्भगवद्गीता, शांकर भाष्य, गीताप्रेस, गोरखपुर ।